

11.1X13.1 wt C

16

22 Leas

16

16
—
437

Birch Bark



- ✓16. An unpublished MS. on brief narrative of
Rupa Bhavani Rahasyopadesha in Kashmiri Language
Shaiva philosophy written on Birch Bark in Sharada character.
Complete, good condition.

This work is similar in substance to the Shaiva literature (Shaiva Philosophy) and is believed to have sprung up at the end of medieval period, spoken by hermit Rupabhavani of Kashmir. She was born in Dhar family and married in Sahib family. Ultimately she renounced the worldly life and settled down at a hermitage at " Vasukur " village in Kashmir.

From the very childhood her deeds belonged to the spiritual realm. Her superhuman miracles are well known to her devotees, who even now observe her annual ceremony in her memory.
Good condition.

ਭਿ ਨ ਮੋ ਦਿਸੁ ਨ ਭੈ। ਭਿ ਨ ਮੋ ਸਿਕਾਏ ॥
 ਭਿ ਵਿਸੁੰ ਰਹੁਲ ਸੁਖਮਾਨ ਨਗਰੀ
 ਉਹੰ ਨਿਰਾ ਤੁਜਤੰ ਪਵਤਾ ਤੁ-ਨਿ
 ਮਾਧਧਾ ਵਾਤਿ ਹਿ ਵੇਖੁਤੰ ਧੁਕੁ ॥
 ਕੁਧਾ ਪ: ਮਾਧਾ ਤੀ ਤੁਮਤੰ ਪਵਤ
 ਮਮਧੇ ਸੁਖਮਾਨ ਮੇਵਾ ਕੁਧਮੀ ਤੁਮੇ
 ਮੀਸੁਨ ਪੁਤੁਧੇ ਨਮਧੁਰੰ ਮੀਨਕਿਲ
 ਮੁਤੁਧੇ। ਮਤਮੁ ਮਚੇਰੁ ਵੇਖੀ ਮੁਹ
 ਰਿਸਾ ਕਮੀ ਵਰੁਰਲ ਮੰਧਾਨਾ ਕੁਤੰ
 ਮੁਧਾਨੁ ਪਾਮਕਾਨੀ ਅਤਮਾਸੀ ਕੁਪੀ
 ਨਿਚਾਲਾ ਰਹੁਤੰ ਤੁਤੀ ਪਾਮਗਤੀ ॥੧॥
 ਸੁਧੁਤੰ ਮਲਕਾਨੀ ਤੁਜੁਲੀ ਮੰਧਲੀ
 ਜੋਮੀ ਸਿਕਾਤੁ ਪੁਕੇ ਕੁਧੁਪੀ ਰਕੁਰਿ
 ਰਤੁ ਸਾਤਾਨੀ ਰੰਧੀ ਤੁਧਾਤੀ ਤ

ਪਾਮਾਨਰੀ ਚਤੁਰਾਸੀ ਸੁਖੀ ਨਿਚਲ
 ਗੁਰੂ ਤਤੀ ਪਾਮਾਨਰੀ ॥ ੩ ॥ ਤਕੁ ਪਮ
 ਧੀ ਤਤੁਰਮਾਨਰੀ ਮਚਾਤਾ ਸੁਰੁ
 ਪਵਕੁ ਪਾਤਿ ਪਾਣੀ ਪਾਲ ਕੁਰੁ ਰੁ
 ਤੀ ਨਾਪਿਤੰ ਮਮਤੁ ਸੁਖੀ ਪਾਮਾਨਰੀ
 ਨਿਰੁਪਾਨਰੀ ਚਤੁਰਾਸੀ ਸੁਖੀ ਨਿ
 ਚਲ ਗੁਰੂ ਤਤੀ ਪਾਮਾਨਰੀ ॥ ੩ ॥
 ਤਪਾਨਿਖਤੁਰੀ ਰੁਤਾ ਚਕਾਧਕੁਲ
 ਪਕੀਤੀ ਮਸੁਰਧੀਨੀ ਚੁਕਿਤੋ ਪੁਰਾਨ
 ਰੁਤੁਰੁ ਕਾਲੀ ਸੁਮੀਤਲ ਮੁਰੁਜਨ
 ਨਿਕਰੁ ਚੁਗਾਧ ਪਾਮਾਨਰੀ ਪਮ
 ਤੀ ਚਤੁਰਾਸੀ ਸੁਖੀ ਨਿਚਲ ਗੁਰੂ ਤ
 ਤੀ ਪਾਮਾਨਰੀ ॥ ੪ ॥ ਪਾਕਿਰੁ ਨੇਰੁ ਪਸੁ ਤ
 ਪਾਸੀ ਚਤੁਰੁ ਰੁਤੁ ਰੁਤੁ ਨਾਨੀ ਚਮਾਸੁ
 ਸਮੁਰੁ ਰੁਤੁ ਰੁਤੁ ਧਿਧ ਕਾਲਧੀ ਗੀ

੪.
 ੪.
 ੪.
 ੦

८३ पिडा सच कं मासु चक्रुः पाले ,
 चतुष्पादे नृधु निचाल गदसु उडी
 पाभगडी । ५ । निरुद्ध गमन पाठितु
 पावेरुगा दृष्ट मंडगी प्रलय दृष्टा
 नृधु चक्रुः न रणे क्षमने नृधु
 रं व उषा निदने निमने निष्कलष्ट
 कुपमा चतुष्पादी नृधु निचाल ग
 दसु उडी पाभगडी ॥ ५ ॥ लेइवेर
 नामी जेही नवाधी न कुली न
 हं मदमन चक्रुः पाभ पयमा धन
 वमा नृधु सच मष्टं रिता सं
 दमा दृष्ट विदुः नमा ॥ चतुष्पादी
 नृधु निचाल गदसु उडी पाभग
 डी ॥ ७ ॥ न रणे न रगनी न रणक

ਮਕਾਫੀ ਖਥਾ ਸਾਤੁ ਠਕੀ ਚਤੁਪਾ ਚਤੁਪਾ
 ਮੀ ਮਚਰੁ ਮਾਪੀ ਚਰੇਤੁ ਮਮਾਪਿ ਚਰੇ
 ਤ ਮਾਧਰਾਨਮਾ ਤਥਾ ਨਿਛਲ ਨਿਛਲ
 ਤ ਚਤੁਪਾਪੀ ਰੁਖੀ ਨਿਚਾਲ ਗੁਰੁਤੁ
 ਤੀ ਪਾਮ ਗਤੀ॥ ੩॥ ਚਤੁ ਮਮਤਾ ਗਲਿ
 ਥਾ ਫਥਾ ਫਲ ਧਨਾ ਚੁਮਿ ਧਿਥ ਨਾ
 ਮਿ ਮੀਲਿਥਾ ਕਵਲ ਕਲਾ ਲਲਵਿੰ
 ਸ ਮਥੁ ਚੁਕਸਾ ਕਰਗਮਿਤੀ ਕੁਕੁਨਾ ਚੁ
 ਮਿ ਲਗਿ ਤਾਤਾ ਕਾਦਾ ਕਾਸਿ ਕਲਾ
 ਮ ਗੁਨੀ ਸਿਲਾ ਲਲਸਾਗਾ ਚੁਕੁਕਾ
 ੪ ਮੀ ਮਾਦੀ ਤਪਸੀ ਮਚ ਚਤੁਰ ਮਥੁ
 ੫ ਚਤੁਪਾਪੀ ਰੁਖੀ ਨਿਚਾਲ ਗੁਰੁਤੁ ਤੀ
 ੬ ਪਾਮ ਗਤੀ॥ ੭॥ ਵੀਰ ਕਾਮ ਚਤੁਰ ਚੁਕੁ
 ੮ ਤ ਨਰੀ ਸੰਪਤੀ ਚਤੁਰ ਕੁਖਾਡੀ ਮਮ
 ੯ ਤਥਾ ਕੀਰਸ ਕਰੁ ਕਲਿ ਮ ਪੰਥਿਤਾ ਮਮ

रुक्मिणी न च ललि रूपा निमला उशीम
उा उो पति भचरु सागता गुरु सेवा
ननतु प्रदत्तनी एके । ननु भूपी रु
ध्री निचाल गदसु उती पाम गती ०
७ डि निचाल रुमकमा ॥

डिगुग ननुग उमा निमलं सुखं न
डतु विष्टारमा लल नाम लल प
म गुरुं सिव भागव नडं पं वृद्ध मेदं
॥०॥ नृप कति भवेगमा दति कुनी
कालिदिति उग्र उग्र प्रमति भामयि
रुंदा भमि मयि नृप वडा डु नृप
नृप यडु कति नृप वडु लि गीता ५
ति वृथा वृथा कथाल प्रसु गुपाल
ली नृप कति गीता भदंया ॥ ३॥
युमा डेममा मयमा ग्यव कनिदि

यि, कचरुमि पंरु रुमि पत्रना रुडा मी
 कल रुकल हयि प्रगिषा मो नैवेह
 भा राया ॥ ३॥ ममिवा हू कल लकि
 खिन अऊया यल्ला मा वृडा ३ रुम
 केयवे अरु न वृया कंदा अंगना
 वृव ॥ ४॥ पउल्ला कल्ला कीगिषा
 उ पं रुमा मियि ३ कटना मंगल
 अनमा पया अरु नरु वृमा उ ग
 लमका पीवमा पूवे उ मा मय्याम
 पा पूरु लुं उ न कंदा ॥ ५॥ डिदि
 अनि पउल्ला गगन गमे मउता
 पंरा उ हू मउ न मले सुहगले
 धन वनया ममउता ॥ ६॥ असव
 ये न अरुम पन्ना न अरुमि मम
 करि पवन मस कम्म न कंदा

रु
 रु
 रु
 उ

CC-0. Dogra Art Museum Jammu. Digitized by eGangotri

यथाज्ञान यथाविभा चरितवत्
 न मुरारिपत्नी । यव धूलि व धरि
 ५ मिथरि उवल्लयि भुभान् भुभोपना
 ॥०३॥ यमा उगप हवै उ मिमिल
 नै धूलि धूम गाले धार वधो हन
 उपान उलान् मुहमा मुहमिल
 व ॥०३॥ धा हगवि उ हदेन भंग
 ३१ लयि उ हगविभंग । मंग गंग
 उ हयय नगयि हयपाष्ट उ मङ्गाभा
 वं डा ॥०५॥ हन मुहडा नंसा न
 यिभा नवै गंगान्नमनमा उवया
 मुह । यव मुह लान वपदव डिघ
 ठडगव मनसा मुह ॥०५॥ गंग
 धा धुगिधा मुह पादुमा पान्ना

न.
 ठ.
 ग.
 म.

ਮੇਰੀ ਤਵਧਾ ਮੁਣੀ ਪਾਠੁ ਆਇ
 ਲਾਲੀ ਸਰੋਬੁ ਮਾ ਗੁਮ ਪ੍ਰੇਮਿ ਲੁਆ
 ਤਵਧਾ ਮੁਣੀ ॥੦੬॥ ਨ ਕਰਮਾਰ
 ਤਪਾ ਨ ਧਰੁ ਰਾਗਾ ਲਿਖਿ ਤਪਾ
 ਰਤ ਰਤੁ ਕੰਠ ਕਰਮਾ ਜਾਵਾ ਮੁਰ ਮੁਤੁ
 ਧਾ ਰੇਤ ਮਨੁ ਨਮਾ ਮੁਤਲੀ ਬਤੁ ਮਾਨਮਾ
 ॥੦੭॥ ਯੁਗਰ ਢੀਗਿਥਾ ਤਪਾ ਗੁਰਮਾ
 ਰਗ ਰੇਨਿ ਸੁਧਾ ਮਾਗੁ ਰਮਾਵਾ। ਜੋ
 ਵਿਧਾ ਰਪਾ ਯੁਲਮਾ ਵਰਮਾ ਧੋਨੁ ਨ
 ਵਿੰਡਾ ਮੁਤੁ ਮੇਰੀ ॥੩॥ ਪਠਾ ਤੀਰਾ
 ਧਾ ਰਾਗਿ ਯੁਰਮਾ ਤੁਮਤੁ ਮੇਰੀ
 ਤੁਮਾਵਾ ॥੦੮॥ ਰਲ੍ਹਤੁਪੀ ਰੁਝਾ ਮੁ
 ਰਿਥਾ ਵਿਲੁ ਮਠੇਸੁ। ਗੁਰ ਮਾਧੀ ਪੁਰਾ
 ਪੁਰਿਥੀ ਗੁਲ ਹੰਧ ਕਮਲ ॥੩੯੫੫

प्रलब्धं अत्र स्वामी गगनमंडल
 नाना रंग सगाद गुरुचेर पत्रया
 माने, नर सग वरनी ॥०७॥ नरा
 धरणा धन धन लुन नराम क
 नेर रुली धन प्रथ मनया म
 न वे ली विगद न मंगिषा ॥८॥
 गद इविषा गुप्तमा म यिमा
 मंगिषा मं रि इमा सुगंनि पं
 उविषा उवया मद्रा वलि
 यिग मं रिषा मच वे दि रनिमा
 लु न धनमा हदा ॥९॥ रुवि रव
 मा उ सुगनि धयमा दार वृह सय
 व वमरमा रिम के सुमा लागिउ
 सुमम सया सुम वरघं उया पं

न.
 ६.
 ७.
 ५.

भवन्मा भवन्मिप प्रविष्टा मय
 भा १६१३ न मा राध पा मडो ३
 मड १ मडरा न ल गिषा वडरा न
 हा ३ वड रा न ३ ३ न ३ द म रि
 जि १ रि भा ॥ ३३ ॥ प्रविभा मडरा
 मिप ३ या उ म्ग म् ली न गुल
 ग व पे म त्र ल न ३ या वी ल व र म्
 व ग नि मां म म व ३ या ॥ यं ए क
 य न १ रि य न र्मा व र म् रि व र्मा
 मं व र म् ग र्मा ॥ ३४ ॥ द ल म
 लि ३ या ल ल व द म् पू ल ल म्
 म र्मा मी न रि म ग ग लि ३ या रि
 ग म र्मा व र्मा म् व द म् रि व र्मा
 म र्मा ॥ ३५ ॥ म् ग ग व म् व लि

चहु मेलन चहु सवग वहु नि
 वग । यिउ न कल उिया वल
 राना घग उनाघग चनाउउ
 नभय नभय ॥ ३५ ॥ भावयन मेल
 चहु नभयवग चहु पूरालाना घग
 वामना दगना । चहु ल भावयना
 वडा चुथ रगवग वुड सिव गघा
 मुडा सिव पान ॥ ३६ ॥ वग रिधिउ
 वुड नचय वाम पदा गमे गम
 भा । पमभ ३ मरु चुनभा चुडंग
 भाहु गग वी ३ हुहु ॥ ३७ ॥
 ६. युमया मडया मया पान मुभना
 ७. चहुवाम सिव उ मुटा वमा । युम
 ५ हुडा गल हुड निवग मुडा मगी
 भवे वेंड ॥ ३८ ॥ पावडग भा

॥ ३० ॥ सुयी बुडा गले नुमेउमा ।
 लुनीरुचन रिधि शालामे उमा
 पनया कल्पनी कम्मे ॥ ३० ॥ नय
 नम कवमवम ननरुन
 वल नमुघग । ब्रुंद नन हनया
 पउ करि कनया क-दनु रगउ क
 म नग ॥ ३० ॥ रिधि नमडि उमा
 रिधि डिउमि यमगगना मुसडिय
 कुडा । ब्रुंद ब्रुंद पदि उ नुडा मवा
 लेसे नृषया पैमिउ मुया कया भाष
 ॥ ३१ ॥ सुधा वृ शागिषा रणमभवम
 न रिषिषा उ मुरि वृ कडि नृ रुप ।
 ॥ ३२ ॥ पनया पनसा मउया मेल
 मंडिध मभग नृ नुसना मैयल
 गनया पूयम क मृ क विध क

काल वस्त्री नमिषीं का ह्रीं ३ मुकुप
 क वरुं मै गम्भी उं उं मुकुप रि
 पान्या ॥ ३८ ॥ उम्भी उम्भी मे उम्भी
 गल हृदय मे तमय ॥ नृप
 व नृप नृप भंभं ह्रीं क मे व मे
 नृव नम्भी । यद वै नृप गुरु की व
 नृगं लिन गुरु ने लिया मडाका उ
 इ वडाया ॥ ३५ ॥ यव उम्भी एलिया
 डिमया नृदल वला नृमृग यवा
 वृद्धि एलिया नृमाप्ता इडाउ डि
 मयि नृदग वाम उ थुऊ योम कर
 गेग गं लिय नृसाप मुकुया । नि
 धल उधूया इलि विमेषाड ॥ ३६ ॥
 मिल मी लिषा उया मुना वग्ग

न.
 न.
 न.
 १.

गन्धसा वग्नि च्युयसा परमा म
 र्गसा नग्गसा नग्गसा मगलि नु
 यसा लल्ले सुग्गसा गग्गसा मग्गसा
 सिवसा ॥ ३१ ॥ मेव र्वेसा मग्ग
 र्गसा निग्गग्गसा च्छुत्ता विमा म
 उसा वुत्ता ॥ ३३ ॥ च्छुत्ता परवा
 मग्ग मग्गवा र्गवा दंसः च्छुत्ता
 मग्ग पुल्ल वदुत्ता मग्ग विमा मग्ग
 दग्ग पीट्टेसा मग्ग ॥ ३७ ॥ र्वेत्ता
 च्छुत्ता मग्ग लेयन पुल्ल मग्ग
 मग्गसा पिल ॥ ३८ ॥ वुत्ता वुत्ता
 दग्ग मग्ग ॥ ४० ॥ च्छुत्ता
 मग्ग नग्ग मग्गिनी वग्ग वग्गि उपा

दिगिमां पौमी गृह नाम मन्त्र
 वृक्षमगं वंति वरि उय पीवइ
 मंलामी ॥ ८० ॥ नृमर मूरव
 ह नमउ सु नन्द गदवेट्ट
 धरमलनां मूर वृषां । ३। लि
 वा उ लर वट ३३ कुवनन व
 द्वा मीलिष उ मभुद्धे सु पर वि
 यां वृया ॥ ८० ॥ मूर उं मूर नृवा
 नृविनामी पन्न ममि उं या
 पुन उं म मूमन परममन
 वे उं उवा गम्भी ॥ ८१ ॥ भुडा
 व नृमर वृव ३३ वृषा मीमना
 वृत्रिय मीमन गम्भी ।

五
石
七
三

कुमा उया कुदा दुष प्रव मरिमा
 मरु कुया मिसना मरुना व
 लिउ लिउमा कुदा ॥ ८३ ॥ कु
 डिना म पय कुषा पन मरुना
 यिमन मन लगना मरुमा
 डा यड कुड र विषा मरुमा
 रंड मरुना व मरुना कनमा
 मरु मरु दुष मरुना कुमा ॥ ८४ ॥
 ने पाठ मरुना उव पाठ पड, ने
 वा मरु मरुना मरुना मरु, म
 मरु मरुना यव मरु मरु मरु
 मरु मरु मरु मरु मरु मरु
 मरु मरु मरु ॥ ८५ ॥ ने पाठ
 मरुना उव पाठ पड, मरु पाठ

लुंषा पल्लवि कलत्र हृगने मगनि
 ॐ ३ ३ नवम विया ॥ ५० ॥ वनदु
 एगि ३ पत्रया धुरे कुसभी उं
 या कसलणि ह्याया पत्रया
 नद्वि पत्रया प्रवि कुसमति
 ३ कसा यि यि ह्यामा ॥ ५० ॥
 वृषा विममसा संसाडा वृषा, न
 हृ कैमि न सेउना वृषा, ३ उणि
 ना नवना ३ पुंका कीर्षा हृव
 ना, हृय मिले वृषा गंरणा भृष्ट
 ॥ ५१ ॥ यिवना पत्र ३ निवना इग्या
 ननध्वका गिद्वना पत्रा, गिद्वना
 पत्र ३ हवना पंषा ॥ ५३ ॥ पीवना हृल
 ३ किवना पत्र, वृवना पत्र ३ हृव
 न एग्या ॥ ५४ ॥ गंगिषा वंया हृयमा

मङ्गलुया, मुञ्जु माप सु लु न चक्रया
 वृथा वका सु मुद गगन व किंदा
 वय न कंदा वृथा उया न कुंदा व
 ॥ ५५ ॥ पुन सुमाप सुमा उ सया
 सु नी गुम. उ गुद सुमाप सया
 विष्णु नी लमापा ममापा सया
 सुमाप सया उ या वृदा न कुंदा
 ॥ ५६ ॥ मेरु युमा जगलि नगा रु
 नै वा संसार रु सु. लि यि न उ
 रु. या मरे, वस सु युमा गले सुग ॥ ५७ ॥
 ठ. मागी उम सुदने निगदग, न
 उ. निचरे न रुमियाग गदिस मरे
 ०. रुम दघा वेकले उम उम सुयि

छिउग ॥ ५३ ॥ एवमा मृगदा उपत्र
 भा वृदा सुया, नषि सुत्रमा नम भूग
 पत्रय पत्र पत्रनि उपत्रया वृ
 से, नउ नषा कनम् वृमिया ॥
 निषा कंदा ॥ ५७ ॥ कडा मडा उ
 मरु भुडा उ, पत्रया रुउ पमना
 पुगिया, कुनि गेवा गया पया कुनि
 गि वृग, कल कुलि नया मने गवा ॥ ५८ ॥
 कुनि उ मयि कुनि उ वृग ममका
 पुगिया ॥ ५९ ॥ नप उ कनना यमा
 पत्रया रुनि, मनेया मने निन उ ग
 डा, मचकुटा एव पत्रय, मने मने
 उ नहमा रुउ ॥ ६३ ॥ यमा कुटा
 उमि लीपा मरु, नषा भुडा रुप

विष्णु मन्त्र, किंदा मुनि उ किंदा
 वेभन्, केमि ह्मन् ह्मन् उ उन् नवा
 ॥५३॥ मन्त्र उपा मन्त्र ग मन्त्र उ
 पावा, उधा उपा मन्त्र पावा,
 मन्त्र ह्मन् उधा उपा। मन्त्र उपा डि
 वेवेन् ॥५४॥ मन्त्र डिमि उ
 ह्मन् मुनि, वेमि मन्त्र नन्त्र उ
 गुप्ता उन्। किंदा वेभन् मुनि
 मुनि। केमन् विमन् उ मुनि उन् ॥५५॥
 न नमन् न नमन् सिन् न नन् ॥ निष्ठा
 ५. मन्त्र मन्त्र। मन्त्र मन्त्र मन्त्र
 ६. मन्त्र मन्त्र, उन् वे नमन् उ
 ७. मन्त्र नमन् ॥५६॥ मन्त्र ह्मन् उ
 ०० मन्त्र कन् मन्त्र, मन्त्र मन्त्र

मम मा तुला चयु कुं ह यिषा तुला
 मरुत । मम मा मनी पीवना
 रुडा ॥ ५१ ॥ पत्र मा ममि उ वृयना
 मने निम दगला उने मरु नावेया
 कणा यिष वेया ह यि मरु ना
 न । मरु शया गगि उ नहसा
 उ ॥ ५३ ॥ रुडा मगलि उ रुडा उ
 विमरु । पत्र मने मरुत विया ।
 रुडा गगलि उ मरु उने, डिष
 या कुं ५ वृ वरिया रुडा ॥ ५७ ॥
 रुडा विषा मगम मिकनरु डं
 मरुत मरुत उया कुं मा ।
 नपमरुत कनन रुम रुम नि

गल्लु उडा ॥ १०॥ यडि कुनि वकु
 ना। उडि धनया, मचष्टनया न
 मममा डुप, मीप वृषमस डीरु
 गव धनया मृदु ह्येवा लि हनन
 कडा ॥ १०॥ लुन नुषमस वल्ली
 निचल्ली, मनि मडया धन धनया
 कडा नुडा गम डेगम विले पवना
 वडा वया उया हनन कडा ॥ ११॥
 मयि नुमाप मयि कुमा, लयि धन
 वयिया कुमा नीरिष उ ग वान उलि
 व उ यिवन्ना मीलिषा धन रयया
 कुमा ॥ १३॥ नरुया विंदा पदया
 पामा, मडया मरि डडया कुमा
 विल्ल वृद्ध मडसुग नल्लमम मरु

न.
 ठ.
 ७
 ०३

कसा ॥ १८॥ गेम चवडगा समदन्दे
 भडा क भडा क भया कसा ॥ ५॥
 उले गमा वेले वृद्ध भया भवे
 कसा ॥ १५॥ गिद किंदा कां किंति
 डा किंदा दिये सुकानदा भगवया
 कसा ॥ १६॥ दिसाना उ रीसना डै
 गना भयसा निसन भ चनसा सु
 दलधि। कला लसु सकिसा उ
 कल नुपिये भसना। यिसना धना
 भानि सुभाना वृथा ॥ ११॥ कनक
 ने कनक ऊने वृद्धा नै उ यिन
 ऊने। दसा उले मल न ऊने। कियया
 भेउना उ भयि उना ऊने ॥ १३॥

ॐ १३ शी वर्यो गति शी वर, शी व
 मा शी वर रमा प्रकम्पा, यमा
 नमरा रमा रयन, कदा वध कुने
 वाउ वना ॥ ३७ ॥ ह्रीना ह्रीना ह्रीना
 ह्रीना नउ गं न नकुया ॥ ३८ ॥ न५
 घी न हृष्टी न पण्डली, नउली न
 पंगी स पंगी दृषा, ननुग मु-
 द्रमा मनुमा विमलमा मच उषा
 शीका ॥ ३९ ॥ कुंडा नभो उ कुंडान
 पुत्रो, ममद उने वडा, ममगम
 ठ. गंड उया ममि छिउने पनमा
 ७. पना पमने ॥ ४० ॥ दिमालय
 ०३ अह यवय न्नाप चावमा उवया
 पंक मममा नरु ननु, नरुंडा

दियेन वंका पूये, ठदुग्गवे मिद
 नाये ॥ ३३॥ वंका पूये, मुळं मि
 उ वळ्ळे, पन्नय रुडा वीपडा मुसे
 वम्माद गळ्ळे वुं धा इवे, नना
 उंम मीरि नग्घा वळे ॥ ३४॥ मडा
 पिडा उ कुडा पन्नया पूषा धनया
 न वळ नये, निग्गळ्ळ कुळ लंगिषा
 पन्नया मसा पन्नया उ वळ नये
 ॥ ३५॥ वीन रणे उग मुडव्वा
 पूरुव पन्नय नन्ना वी रौमवे
 हृदय मे पळे, रौमवी पूरुव वम्मा
 र मुी ॥ ३६॥ मग्ग उ व्वा मुडगिमा
 गग्ग सम्पुमा वूम वम्मा मापं
 कुल मळ्ळुल उंया पड्ळाला उड्ड
 मि गीव वूम लम्मा नन्ना

वभा विमेषा गंग ॥ ३१ ॥ वृषा
 लमिया ३ पद्मया पन्न रूना वृ
 षाया लगिया पद्मना पन्ना, वृषया
 लमे लंदि वृ ३ पद्मना वृ रूना
 वृ रूना ३ वृ रूना पन्ना ॥ ३३ ॥
 वृ रूना वृ रूना ३ वृ रूना, मय
 ३ वृ मय मन, वृ रूना वृ रूना
 या पन्नवि मय मय ३ वृ मय ३
 वृ रूना ॥ ३३ ॥ वृ रूना विना वि
 ना ३ वृ रूना वृ रूना ॥ ३३ ॥
 वृ रूना वृ रूना पया, लय पवतमा
 मया वृ रूना वृ रूना, मय ३ वृ
 वृ रूना विमेषा वृ रूना ॥ ३० ॥
 वृ रूना वृ रूना ३ वृ रूना, मय ३ वृ रूना

दा पसे। पंर मदन कुड करिना करे
 मय करिना वडा ॥ ७० ॥ मनि
 ले उ पानया हरे, नडा गरि उ
 मय के, वृयना ठने मगलि उ
 पानया नरे, वडा वडा गुलि कु ले
 ना उला नमला ॥ ७१ ॥ गंदिछा उ
 मरु मयया वडा उमा, दडा ल
 वडा उमा नमना एया, न वृयि प
 प उमा न पृथ मया उमा, नम
 ना न रया ॥ ७३ ॥ मंवरग मर व
 मना वडा उमा, उंवरग मरया
 म यमा वया, मेमि-करी लव दि
 म वडा उमा मरु उमा वडा
 वडा, ७५ ॥ नमक न मर मरमा

मदावा चवय मठव चुरा मरुप, न
 किंदा धव उ न किंदा इवा वरुनीप
 चुर किंदा कुप ॥ ७५ ॥ नुवम मम
 दंगी वरुनी नु, उव उग गदुमसा
 पवा, लीथा ममिग्य कुप छिउम
 वरु नुवम निगदुम ॥ ७६ ॥ धमा
 मा वानि वरुम वरु, पमम छि नु
 मुटा कुप, मरु मरु वरु मरु
 लिङग नगुमा मरुमा रूदा ॥ ७७ ॥
 किंदा न मरुदा मंग वरुदा न मरु, ए
 न मरु वरु विद्या उपना, नन मरुम
 न पान रमिधमा वरु वरु वरु
 उपान मरु वरु वरु वरु, रं ल
 मरु वरुदा वरु वरु पममिधमा

म.
 छ.
 ग.
 ०५

22

लीवदिता मीपीउ मीवा वा दाम
 ॥००॥ कननमा काम केर लेठ
 मिद मदी नरुकाग, नु वमंम
 रमा उ कमल सन्दमा, पडेडा
 नदमला कमल देगनिगवा
 पैक नुयवा उ एक कू निधि
 गंसुगि वरु हृषा व रणधि, यिदि
 नुयउ नुमु मनधु कूप, मनुया
 लीवा मरि मनमा उ वाव पषडा
 वमा, डिम जेडा मीवा यम
 मालि नविनुवा ॥ डिम या किय
 मनधु नउ केडा दायी गुपनाधि
 मन सुदडा मरु पावा मालिना सिम
 गवा ॥ धयापा वरुिषा सुउनाम

रु.
 ६.
 ७.
 ०५

डा/मन मेदवा कृनिगन काडि,
 मगलि न्नाकरग यिघी, मडरा
 उ नुनरु गडडा मंगनिषा पा
 नया पन मंगनिषा कषा
 नपा हृष्ट गकडा मगिषा, जं
 मगुप मगिषा कषा मडरा उरु
 न गह्या पाभानरु, नवउप
 मानरु नुमिया कंदा, नुनगह्य
 या वरु भा मवदा, मयगमानदा
 वड वहुी, डि मीगुवे नमः॥
 वय नवीरभा उंघा नतीरभा
 वायना कसमा नकाउडा मने
 नरि ब्रह्म भा नर भुङ्ग-नुङ्गभा
 मकि भुङ्गभा पगभा ब्रह्म मेडमा ॥०॥

५५५ न ५५५ ५५५ विमल नमः
 धातु वल्लोले भातु अतुगं तु
 काममा अमी न विमुग न पं हपा
 रं नडा अतु कामा पं ब्रह्म भेडमा ॥३॥
 धातु न तातु मा नडा अतुलमा
 एता न एतातु उता पं भातु
 रमा मभा नमतु आकि नरमा
 मा अमी मभापि पं भा ब्रह्म भेडमा ॥३॥
 एता लिगातु मं हाम वल्लमा
 उदा उता उता धमि ह्येडमा न
 विहृदुपमा पामा कामा एता
 के वल्लेडमा पं ब्रह्म भेडमा ॥५॥
 मातु न पिता ब्रह्मा न वन्तु वतु
 म वेदमा एके के वल्लेडमा गुह
 न रला महे नलीला उह नरला

न.
 ६.
 ७.
 ०१

पां वृद्ध मेडमा ॥ ५ ॥ मेड न वृद्धि न
 य वेगममा नर नर न वृद्धमा
 निचैरमन्ति सुधना नर नर
 उवा सुद्ध मेडमा ॥ ६ ॥ सुध न
 पां वृद्ध मेडमा ॥ ७ ॥ धन नर
 रमा नर नर नर नर नर
 हि रमा नर नर नर नर नर
 नर निगलमा सुद्ध सुद्धमा
 पां वृद्ध सुद्धमा ॥ ८ ॥ सुद्ध न
 मिद्ध विद्ध न गति ॥ ९ ॥ नर
 मा सुद्धमा सुद्धमा सुद्धमा
 लं पिषा नर नर नर नर
 निगल न पां वृद्ध मेडमा ॥ १० ॥

उपं नरमा अत्र गच्छ न मेदी मयी
 न मयिमा कमा केवले उमा, एमी
 वि न लीकता न दाता न वाता
 कता मेडंकरा यं वृद्ध मेडमा ॥ ७ ॥
 उमा नमिदला नरवृद्ध नमही, मयिमा
 मयिमा पादा दमेवि, ननवृद्ध न
 नममय उमीया ननवृद्ध उपमा, नं
 वृद्ध मेडमा ॥ ८ ॥ उति मयिमा न
 लाम दमवमा, नम मयिमा नम
 नममवमा, वि मयिमा नम ॥
 उमा ननवृद्ध मयिमा मयिमा विड ह
 नं नमा उति मयिमा नम ॥ ९ ॥
 लल मयिमा मयिमा नम, मयिमा

५.
 ६.
 ७.
 ०३

ਦੇਵ ਪਾਤਸ਼ਾਹ, ਸੁਖਾ ਅੰਤਰਿ ਮੰਦਗਲਿ
 ਕੁਮਾਰੀ ਲੋਕੀ ਕੁਮਾਰੀ ਤਰਾਰੀ ਨਥੇ।
 ਪੁਤ੍ਰਵਿਸ਼ਨੁ ਪ੍ਰਾਨਿਤ ਕੁੰ ਕੁਮਾਰੀ, ਧਰੁ
 ਹੰ ਕੁਮਾਰੀ, ਧਰੁ ਹੰ ਕੁਮਾਰੀ ਤਿਡੀ ਕੁੰ
 ਮ ਨਥੇ ॥ ੭॥ ਧਮਿ ਤਰਾਰਿ ਮਧੁੰ ਕੁ
 ਮਾਰੀ, ਮਾਰੁ ਕੁੰ ਕੁਮਾਰੀ ਮਧਾ ਪਾਤਸ਼ਾਹ
 ਮਨਮਾਸੀ, ਅਮਾਸੀ ਮਿਹੰ ਕੁਮਾਰੀ
 ਲੋਕੁ ਹੰ ਕੁਮਾਰੀ ਤ ਕੁਮਾਰੀ
 ਨਿਥੇ ॥ ੮॥ ਕੁੰ ਕੁੰ ਮਾਰੁ ਪਾਤਸ਼ਾਹ
 ਕੁਮਾਰੀ ਮੰ ਕੁਮਾਰੀ, ਧਿਡੀ ਹੰ
 ਕੁਮਾਰੀ ਤਿਡੀ ਕੁੰ ਕੁਮਾਰੀ ਨਥੇ ॥ ੯॥
 ਦੇਵਾਰੁ ਮਧੁੰ ਕੁਮਾਰੀ, ਲਗਾ
 ਕੁਮਾਰੀ ਤਰਾਰੀ ਅਧਿ। ਅਨੰਤ

ਜੁਨਕੁ ਮਿਲੇ ਕੁਮਾ ਮਿਲੇ ਕੁਮਾ

ਅਨਮਧਾ ਏ, ਤਕੀਤੁਪ ਏਪਾ

ਲਲੇ ਕੁਮਾ, ਕੁਡੀ ਕੁਮਾ ਮੇ ਕੁਤ

ਕਿੰਡੀ ਮੇ ਕੁਮਾ ਨਥੇ ॥੮॥ ਕਾਲਿ

ਕਾਲਿ ਮਿਲ ਕੇ ਕੁਮਾ ਲਲੇ ਕੁਮਾ ਤੁ

ਪ ਪਾਧਥੇ। ਤੇ ਕੁਤੁਗੀ ਕੁਡੀ ਨ

ਕੁਮਾ, ਪੀ ਕੇ ਕੁਮਾ ਰਸਪਾਧਥੇ

ਤੇ ਤਖਿ ਨਿਕਾਨਾ ਮੇ ਕੁਮਾ

ਕੁਕੁਮਾ ਮੇ ਕੁਤ ਕਿੰਡੀ ਮੇ ਕੁਮਾ

ਨਥੇ ॥੯॥ ਕੁਏ ਆਧਮਾ ਆਧਮਾ

ਖਾਧਥੇ ਕੁਮਾ ਆਧ ਕੋਰਾਨਾ ਨ

ਭੁਧਥੇ ਕੁਮਾ ਕੁਨ ਗੋਰਾ ਵਿਧਾ

੦੭ ਮੇ ਕੁਮਾ ਨਿਕੇ ਕੁ ਗਸਿਮਾ ਤੇਧਾ

੫.

੬.

੭.

੦੭

सुदि नूदा कुरुगे नमा, वुडाष्ट
 मा माव ३ बिंदा गेवमा नये
 ॥५॥ नाप्ररमा नके ड लडुमा
 वुपदण डिवा पानया नुवमा
 नमृकेका ३ नमपेन, रंडण
 मडरण डीउ नुवया, न गीर
 नीर ३ डीर निवे वमा वड
 वमा माव ३ बिंदा गेवमा
 नये ॥७॥ उवे प्रमाचि वा रया
 प्रे वमा, नरु मा लिवा रण
 मा वुये, नापेय नापुये
 नालना वीगलि, वुलि निम
 ला वुव सिवया दिना वलया

उ व ल क र मी बु डा कृ मा मे व
 उ विं डी मे व मा न ये ॥ ३ ॥ ल क
 उ प म री र म क र क , उ मि
 वि ल डी म म र य मा मु र मु मे
 रि डी मु डी वि ल य म मु र म मु
 मे उ र क वी र मे रिया डी डा
 मु मे ॥ ७ ॥ रि डी मि ह वि ह
 गी री मु ग , उ म ग र य वि ल य
 म ग र य ग डी क री मु ड ड य
 ए लि ग र क म म ड र वि ल य
 उ वी म म री ॥ ० ॥

क व मि धू ल क वि म ति प र्दे ।

५.
 ६.
 ७.
 ८.

वडा मसा उइ विए सुख चुमगा
 उया हवदगा के उयेगा। सुके
 मा बुडा कुमा कुंडा विसगा।
 चकि ना रुगा मया सेन कुप ॥ ००॥
 यडा कुप मकुप पर कुप बले। सुख
 ले निरंराना कुप। यिडा सुख ले दा
 मएन वेग बले। सुख र म
 सुं से सुख रुडा ॥ ०१॥ सुख विवि सुखी
 देसा मले उया पेसा दुलनी गेस
 मिलनी मयु महु। गाहु हनी सु
 वकुप योनी वध सुं रानी वहु कली
 गहु ॥ मर ममाडा पूरल विधा
 उमाडा वन राल विधा वडा, च

वहुप प्रेम किया मल नी प्रमयाप
 रु केमि मल निया जा या मधु
 पस वुं द मउ रुप मिलि यैमा मल
 गला उ उव । तिले यैमा गैयि गि
 डा गल मिलि यैमा नुउ मल गवा
 नवला यै यैमा कउन नल
 ला दिवै न दवभा पुन । ममदा
 भा नैव हव नवया वल । वल
 को वन मैन पनी । उधुमा क म
 नभा निहन गल रान रानभा
 गुगी वामनभा पुन ॥ प्रमया म
 पिउ मया खुडा मिल मया उव
 रवै ल रूप नुकर म मडा यड म
 च कलभा उरुन यव न ।

५.
 ६.
 ७.
 ३०

मडा पुडा गंभु मडा कडा गगा
 कडा यिती मरुती उ वडा ह
 यिवने बुया हयि डाडी नभा
 वृमा गामा। कडा हवे व
 उभा मुठवे मदले मरुती
 मने कया। यमडा बुडा उ
 या वृयि वृमने पुत्रिय मने
 मने वंगग। मृदु उ मरु ल
 गि नयि हने केमि यलग
 उ वने कया॥ पुति श्रीमतीका
 रेह वडाग पुपायाः श्रीमभाएव
 रा मृदु राय मृपमृडा श्रीम
 डा मप ठकाडा गड मृप केमः

मभापुः॥ पुति मभा॥

५.
४.
३.
२.
१.



